University in News on 20 June 2022

i-NEXT PAGE 4

पीएचडी कोर्स वर्क एग्जाम 25 को

LUCKNOW (19 June): लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग ने पीएचडी कोर्स वर्क परीक्षा-2020-21 की तिथि तय कर दी है. यह परीक्षा 25 जून को होगी. सुबह नौ 10 बजे तक रिसर्च मैथडोलाजी एंड पब्लिकेशन एथिक्स, 10.30 से 11.30 बजे तक कंटेंपरेरी इश्यूज एंड रिसेंट ट्रेंड्स व 12.15 बजे से प्रेजेंटेशन होगा. विभाग के हेड प्रो. एके भारतीय ने इसका नोटिस वेबसाइट पर जारी कर दिया है.

बीसीए में कोर्स की अनुमति

लखनऊ विश्वविद्यालय ने तिवारीगंज स्थित श्रीराम स्वरूप मेमोरियल कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट को नए सत्र में बीबीए व बीसीए पाठ्यक्रम में एक-एक अतिरिक्त सेक्शन आवंटित करने की अनुमति दे दी है। कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह की ओर से जारी पत्र के मुताबिक अतिरिक्त सेक्शन के अंतर्गत प्रत्येक कोर्स में 120 सीट की अनुमति दी गई है. सुशीला देवी मेमोरियल गर्ल्स डिग्री कॉलेज में बीए और बीकाम कोर्स में नए सत्र से प्रवेश स्थगित करने के आदेश जारी किए गए हैं.नेशनल पीजी कॉलेज ने पीजी डिप्लोमा इन रिमोट सेंसिंग एंड जीआइएस-सेमेस्टर-2 की एग्जम डेट में बदलाव कर दिया है. प्रिंसिपल्स ऑफ विजुअल एंड डिजिटल इमेज प्रोसेसिंग पेपर-1 का एग्जाम पहले 21 जून दोपहर 1.30 से 4.30 बजे तक होना था. छात्रों के अनुरोध पर अब यह परीक्षा 23 जून को सुबह नौ से दोपहर 12 बजे तक होगी. इसका नोटिफिकेशन जारी कर दिया गया है.

JAGRAN CITY PAGE III

लवि पत्तेदार सब्जियों में पता लगाएगा आर्सेनिक का प्रभाव

जासं, लखनऊ : धान और फर्न के पौधे के बाद अब लखनऊ विश्वविद्यालय का वनस्पति विज्ञान विभाग पत्तेदार सब्जियों में आर्सेनिक की स्थिति का पता लाएगा। इसके लिए इंडियन काउंसिल आफ मेडिकल रिसर्च (आइसीएमआर) ने वनस्पति विज्ञान विभाग के पोस्ट डाक्टोरल डा. अमित कुमार को यह शोध प्रोजेक्ट दिया है। शोध प्रोजेक्ट का विषय 'सुरक्षित मानव उपभोग के लिए आर्सेनिक दूषित क्षेत्रों में बायोजेनिक नैनोपार्टिकल्स के माध्यम से पत्तेदार सब्जियों की शेल्फ लाइफ में सुधार और आर्सेनिक का शमन' है।

आर्सेनिक की विषाक्तता पिछले कई दशकों से बढ़ती जा रही है। उत्तर प्रदेश सहित अन्य राज्यों का बड़ा भू-भाग इससे प्रभावित है। पोस्ट डाक्टोरल फेलो डा. अमित कुमार बताते हैं कि उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी, बस्ती, सिद्धार्थ नगर, संत कबीर नगर, बहराइच सहित कई जिलों में इसका अधिक प्रभाव है। इसका एक बड़ा कारण जल दोहन व पेस्टिसाइड का उपयोग होना है। इसके प्रभाव को देखने के लिए पहले धान की फसल पर शोध किया गया। ऐसे में अब पत्तेदार सब्जियां जैसे गोभी, पत्ता गोभी, पालक, हरा लहसुन, धनिया, मूली आदि पर इसका असर देखने और उसे दूर करने के लिए शोध किया जाएगा।

लवि : बीबीए, बीसीए में पाठ्यक्रम की अनुमति

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने तिवारीगंज स्थित श्रीराम स्वरूप मेमोरियल कालेज आफ मैनेजमेंट को नए सत्र में बीबीए व बीसीए पाठ्यक्रम में एक-एक अतिरिक्त सेक्शन आवंटित करने की अनुमति दे दी है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. विनोद कुमार सिंह की ओर से जारी पत्र के मुताबिक अतिरिक्त सेक्शन के अंतर्गत प्रत्येक कोर्स में 120 सीट की अनुमति दी गई है। वहीं, सुशीला देवी मेमोरियल गर्ल्स डिग्री कालेज में बीए और बीकाम कोर्स में नए सत्र से प्रवेश स्थगित करने के आदेश जारी किए गए हैं। कालेज प्रशासन की ओर से दिए गए प्रस्ताव पर यह निर्णय लिया गया। (जासं)

पीएचडी कोर्स वर्क परीक्षा 25 को

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग ने पीएचडी कोर्स वर्क परीक्षा-2020-21 की तिथि तय कर दी है। यह परीक्षा 25 जून को होगी। सुबह नौ 10 बजे तक रिसर्च मैथडोलाजी एंड पब्लिकेशन एथिक्स, 10.30 से 11.30 बजे तक कंटेंपरेरी इश्यूज एंड रिसेंट ट्रेंड्स व 12.15 बजे से प्रेजेंटेशन होगा। विभाग के हेड प्रो. एके भारतीय ने इसका नोटिस वेबसाइट पर जारी कर दिया है। (जासं)

HINDUSTAN PAGE 6

बीकॉम ऑनर्स परीक्षा के लिए तीन केंद्र बने

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने बीकॉम आनर्स सेमेस्टर चार और छह की परीक्षाओं के लिए परीक्षा केन्द्रों की सूची जारी कर दी है। बीकॉम ऑनर्स परीक्षा के लिए तीन केन्द्र बनाए गए हैं, जहां 18 कॉलेजों के छात्र-छात्राएं परीक्षाएं देंगे।

केन्द्रों की सूची विश्वविद्यालय वेबसाइट पर अपलोड : 23 से चतुर्थ और 24 छठवें सेमेस्टर की परीक्षा होगी। लखनऊ विश्वविद्यालय मुख्य कैम्पस, श्री गुरुनानक गर्ल्स डिग्री कॉलेज एवं रामा महाविद्यालय केन्द्र बनाए गए। केन्द्रों की सूची वेबसाइट पर अपलोड है।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

समाज की विविधता को करें स्वीकार

लखनऊ। लविवि के मनोविज्ञान विभाग और सेंटर ऑफ वूमेंस स्टडीज ने उन्मुक्त अंजुमन के साथ मिलकर रविवार को 'महफिल-ए-धनक' कार्यक्रम का आयोजन किया। पैनल डिस्कशन में अलगाव से समावेश तक विषय पर चर्चा हुई।

मुख्य अतिथि अवध क्वीर प्राइड के प्रेसिडेंट रित्विक दास ने कहा कि समाज में विविधता है और हमें उस विविधता को स्वीकार करना चाहिए। रित्विक ने बताया कि कैसे हम एलजीबीटी कम्युनिटी के लोगों के लिए अच्छे मित्र बन सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों के सवालों के जवाब भी दिए। मनोविज्ञान विभागाध्यक्ष और सेंटर फॉर विमेंस स्टडीज की समन्वयक डॉ. अर्चना शुक्ला उपस्थित रहीं। (माई सिटी रिपोर्टर)